# पाठ 13. भारत-दर्शन

## पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य भारत के अद्भुत सौंदर्य और भिन्न-भिन्न दर्शनीय स्थलों की विशेषताओं से परिचित कराना है जिससे बच्चे देश की विविधता में एकता को समझ पाएँ।

## पाठ का सारांश

हमारा देश प्राकृतिक सौंदर्य से भरा पड़ा है। यहाँ की संस्कृति और रीति-रिवाज़ देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। तो क्यों ना तुम्हें भारत-दर्शन की यात्रा पर ले चलें। पश्चिम बंगाल में पहाड़ों पर बसा एक शहर है दार्जिलिंग, जो अपनी खूबसूरती की वजह से जाना जाता है। ट्वाय ट्रेन की सवारी मन में रोमांच भर देती है तो चाय के बागान तुम्हारे स्वागत में हरियाली की चादर बिछाते नज़र आएँगे। यहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं।

'गुलाबी नगर' के नाम से प्रसिद्ध जयपुर एक ऐतिहासिक शहर है। यहाँ बहुत से महल और किले देखने लायक हैं। यहाँ संगमरमर की सफ़ेद मूर्तियाँ और राजस्थानी कला को दर्शाते कपड़े बहुत मिलते हैं।

'पर्वतों की रानी' मसूरी पवित्र तीर्थस्थल भी माना जाता है। रोप-वे से हिमालय की चोटियों और दून घाटी का अद्भुत नज़ारा दिखलाई पड़ता है।

ऊटी तमिलनाडु राज्य में स्थित एक रमणीक जगह है। यहाँ नौकायन का मज़ा लिया जा सकता है। यहाँ पर कई खूबसूरत दर्शनीय स्थल हैं। गर्मी के मौसम में यहाँ अधिक पर्यटक आते हैं।

## अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से घूमने-फिरने संबंधी चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि भारत में बहुत से सुंदर-सुंदर दर्शनीय स्थल हैं, जिन्हें देखने पर्यटक देश-विदेश से आते रहते हैं।

पाठ वाचन करें। बच्चों से पूछें–

- क्या तुम इन जगहों में से किसी जगह पर छुट्टियाँ बिताने गए हो?
- ऐसी कौन-सी जगह है, जहाँ तुम घूमने जाना चाहते हो?
- पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।